INSTITUTE OF ADVANCE STUDIES IN EDUCATION

Bilaspur (Chhattisgarh)

CHILDHOOD & GROWING UP

B.Ed. 1st Year

Presented By :

Vidya Bhushan Sharma

Lecturer

Institute of Advance Studies in Education

Distt. Centre for English, Bilaspur (C.G.)

INSTITUTE OF ADVANCE STUDIES IN EDUCATION

Bilaspur (Chhattisgarh)

Methods of Studing Adolescents

Case Profile

Presented By :
Vidya Bhushan Sharma
Lecturer
Institute of Advance Studies in Education
Bilaspur (C.G.)

INSTITUTE OF ADVANCE STUDIES IN EDUCATION
Bilaspur (Chhattisgarh)

वैयक्तित्व विषय अध्ययन विधि (Case Study Method)

यह वह पद्धति है जिसके द्वारा एक व्यक्ति के व्यक्तित्व के सम्पूर्ण स्वरूप का गहन अध्ययन किया जाता है। इसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व की गुणात्मक व्याख्या की जाती है, लेकिन यह अध्यन अति सावधानी से अनेक स्त्रोतों से प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण के आधार पर किया जाता है। बहुधा इस विधि का प्रयोग नैदानिक मनोविज्ञान (Clinical Psychology) के क्षेत्र में किया जाता है। इस विधि की सहायता से असामान्य व्यक्तियों के व्यक्तित्व की विस्तृत जाँच की जाती है। केस स्टडी एक शोध उपकरण और एक सीखने की तकनीक है जिसे ज्ञान के किसी भी क्षेत्र में लागू किया जा सकता है।

व्यक्तिगत अध्ययन अनुसंधान :– एक प्रकार का ऐसा अनुसंधान है जिसका उद्देश्य विशेष रुप में अपने वास्तविक जीवन के सन्दर्भ में एक वैयक्तिक इकाई (एक व्यक्ति, संस्था या एक बहुत लघु समूह) से संबंधित घटनाओं का एक विस्तृत गहन अन्वेषण और काफी यर्थाथ तथा विविध प्रकार का विवरण प्राप्त करना होता है ।

केस स्टडी से तात्पर्य है किसी भी वस्तु, स्थिति का भलीभांति बारीकी से जांच पड़ताल करना व जानना। इसका बुनियादी आधार विद्यार्थी की जिज्ञासु प्रवृत्ति को माना जाता है। दूसरे शब्दों में मनुष्य का सम्पूर्ण ज्ञान उसकी जिज्ञासु प्रवृत्ति का परिणाम है और केस स्टडी किसी ज्ञान, अनुभव को पाने का साधन है। इस विधि में विद्यार्थी की स्वयं समाधान ढूंढने में सक्रिय भूमिका रहती है , जबकि अध्यापक की भूमिका विद्यार्थियों को समस्या से भलीभांति परिचित कराना है।

व्यक्तिगत अध्ययन (केस स्टडी) विषय विशेष (जैसे बालक समूह या घटना) के गुण दोष एवं असामान्यताओं का विश्लेषण है।

व्यक्तिगत अध्ययन अपने में एक पहेली (समस्या) होती है जिसे हल किया जा सकता है। इस पहेली में ब हुत सी सूचनायें समाहित रहती है। इन सूचनाओं का विशलेषण कर हल निकाला जा सकता है। केस स्टडी की विषय वस्तु व्यक्ति, स्थान या सत्य घटना पर आधारित होती है। यह किसी एक इकाई का सम्पूर्ण विश्लेषण होता है।

केस स्टडी का इतिहास :-

केस स्टडी विधि का सर्व प्रथम प्रयोग फ्रेड्रिक ली प्ले (**Frederic Le Play**) ने सन् 1829 में सामाजिक विज्ञान में किया। वहीं 1967 में बारने ग्लेज़र (**Barney Glaser Anselm Strauss**) एवं एन्सेलम स्ट्रॉस जैसे समाजशास्त्रियों ने पुनः इसको परिष्कृत रूप में सामाजिक विज्ञान में नवीन सिद्धान्त के रूप में प्रयुक्त किया।

वर्तमान में केस स्टडी का सर्वाधिक प्रयोग शिक्षा जगत में किया जा रहा है। आज इसे हम प्राब्लम बेस्ड लर्निंग (**Problem Based Learning**) के रूप में ज्यादा जानते है।

केस स्टडी :-

शिक्षा तकनीकि के आर्विभाव तथा विकास के साथ शिक्षा की प्रक्रिया में अनेक परिवर्तन हुए तथा नये आयामों का विकास हुआ। पिछले 25 वर्षो के अन्तराल में कक्षा शिक्षा में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए है। छात्रों की उपलब्धियों में स्थान, कक्षा–शिक्षण के स्वरूप, प्रक्रिया, अनुदेशन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी गयी है क्योंकि छात्रों की उपलब्धियों इन्हीं पर आश्रित होती है। शिक्षक छात्रों की व्यक्तिगत भिन्नता को शिक्षण में महत्व देते है। व्यक्तिगत भिन्नता को जानते हुए व्यक्तिगत अध्ययन की आवश्यकता होती है।

बालक की भिन्नताओं के होते हुए भी प्रकृति तथा स्वभाव संबंधी सामान्य विशेषताए होती है। बालक के द्वारा अनुभव किये जाने योग्य अमूर्त वस्तुओं के अध्ययन के लिए कतिपय प्रविधियां विकसित की गयी है। इनमें से केस स्टडी प्रमुख है।

यंग के अनुसार '' केस स्टडी किसी इकाई के जीवन का गवेषणा तथा विश्लेषण की पद्धति है चाहें वह एक व्यक्ति, परिवार, संस्था हस्पताल, सांस्कृतिक समूह या सम्पूर्ण समुदाय हो।''

अर्थात केस स्टडी, गुणात्मक विश्लेषण का एक रूप है जिसमें किसी व्यक्ति, परिस्थिति या संस्था का बहुत सावधानी तथा पूर्णता के साथ अवलोकन किया जाता है।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में शिक्षक का उत्तर दायित्व बढ़ गया है और उसकी स्वतंत्रता कम कर दी गयी है। शिक्षक की भूमिका ''छात्रों के अधिगम'' के लिए एक व्यवस्थापक की होती है। शिक्षक एक सलाहकार एवं मार्गदर्शक के रूप में होता है। शिक्षक को अपनी कक्षा में समस्यात्मक बालकों से रूबरू होना पड़ता है। ऐसे बालकों के सुधार के लिए शिक्षक को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। इसके लिए शिक्षक 'समस्यात्मक बालक' के सुधार के लिए उसके पूर्व इतिहास को स्वयं उसके परिवार से, उसके मित्रों से पूछताछ करके तथ्यों का संकलन करता है। इस अध्ययन द्वारा वह उन कारणों को खोजता है। जिसके फलस्वरूप उसका आचरण व व्यवहार असमान्य होता है। प्राप्त कारणों के आधार पर शिक्षक समस्यात्मक बालक का उपचार करता है।

केस स्टडी विधि के गुण :-

1. यह निदनात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण की उपयोगी विधि है ।
2. इस विधि के आधार पर बौद्धिक अक्षम बालकों के उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था की जा सकती है ।
3. यह विधि निर्देशन तथा परामर्श की दृष्टि से श्रेष्टतम विधि है ।
4. मनो विश्लेषण एवं अन्य विषयों के साथ प्रयोग किये जाने पर इस विधि से प्राप्त परिणाम सार्थक होते हैं ।

वैयक्तिक अध्ययन पद्धति की आधारभूत मान्यताएँ

वैयक्तिक अध्ययन पद्धति की आधारभूत मान्यताएँ निम्नलिखित हैं–

1. मानवता व्यवहार की समानता – वैयक्तिक अध्ययन पद्धति की प्रमुख मान्यता यह है कि मानव–व्यवहार में मौलिक एकता पायी जाती है। समान परिस्थितियों में सभी मनुष्यों के व्यवहार में समानता पायी जाती है, क्योंकि उनकी मूल प्रकृति, प्रेरक एवं प्रवृत्तियों में समानता पायी जाती है।

2. समय तत्व का प्रभाव – मानवीय व्यवहार एवं किसी घटना पर समय तत्व का भी प्रभाव पड़ता है। आज घटने वाली प्रत्येक घटना भूतकाल की अनेक घटनाओं एवं प्रभावों का प्रतिफल है। अतः किसी भी घटना को समझने के लिए उसका भूतकाल जानना अति आवश्यक है। इस अध्ययन पद्धति में घटना को कालक्रम में कार्य करण सम्बन्धों के आधार पर देखा जाता है।

3. सामाजिक घटनाओं की जटिलता – सामाजिक घटनाओं की जटिलता के कारण उन्हें आसानी से समझा नहीं जा सकता है। मानव व्यवहार अमूर्त होता है जिसके कारण उसे ज्ञात करना कठिन होता है। मानव व्यवहार की जटिलता का अध्ययन इसी विधि द्वारा सम्भव है।

4. सम्पूर्ण अध्ययन – वैयक्तिक अध्ययन पद्धति में सभी पक्षों का अध्ययन किया जाता है न कि किसी एक पक्ष का। इसमें समय अवश्य अधिक लगता है, किन्तु जीवन की सम्पूर्णता में ही वास्तविक अध्ययन सम्भव है।

5. परिस्थितियों की पुनरावृत्ति – मानव व्यवहार पर परिस्थितियों का प्रभाव पड़ता है। मनुष्य एक ही परिस्थिति में किस प्रकार का व्यवहार करता है, यह एक इकाई के सम्पूर्ण अध्ययन द्वारा ज्ञात किया जा सकता है।

वैयक्तिक अध्ययन पद्धति की विशेषताएँ

वैयक्तिक अध्ययन पद्धति की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

1. अध्ययन की एक विशिष्ट इकाई – इसके अन्तर्गत एक या कुछ विशिष्ट इकाइयों का अध्ययन किया जाता है। जैसे व्यक्ति, परिवार, जाति, संस्था अथवा सम्पूर्ण समुदाय आदि। इसकी इकाई सम्बन्ध तथा प्रक्रिया भी हो सकती है। इस सम्बन्ध में गिडिंग्स ने लिखा है कि यह इकाई जीवन की एक प्रघटना या एक ऐतिहासिक युग भी हो सकता है। वह इकाई जितनी भी छोटी होगी, उतना ही गहन अध्ययन इसको हो सकेगा।

2. सम्पूर्ण अध्ययन – इस पद्धति में किसी घटना अथवा इकाई के समस्त पहलुओं का अध्ययन किया जाता है। इसमें इकाई के समस्त जीवन को ही अध्ययन का केन्द्र बनाया जाता. है। इस सम्बन्ध में कुछ प्रमुख विद्वानों ने लिखा है कि